सिटी मेयर्स लर्निंग प्लेटफॉर्म विजिट से लौटे महापौर ने साझा किए वहां के अनुभव

हैदराबाद सबसे साफ-सुथरा क्योंकि लोगों का सिविक सेंस अच्छा व 150 वार्डों में 25 हजार सफाई कर्मचारी

इन्फ्रा रिपोर्टर. जोधपुर. हैदराबाद नगर निगम का बजट करीब 5 हजार करोड़ रुपए सालाना है। इसकी कुल सालाना कमाई में 45 फीसदी हिस्सा प्रॉपर्टी टैक्स का होता है। एक हजार करोड़ रुपए अन्य टैक्स से व विज्ञापन से 100 करोड़ रुपए सालाना कमाई होती है। इसके कारण ही हैदराबाद सबसे सुंदर व साफ-सुथरा नजर आता है। महापौर धनश्याम ओझा स्वायत्त शासन विभाग व कट्स इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय सिटी मेयर्स लर्निंग प्लेटफॉर्म विजिट करने के बाद शनिवार को हैदराबाद से जोधपुर लौटे। उन्होंने वहां के महापौर बोट्टू राममोहन, उप महापौर बाबा फसूद्दीन एवं आयुक्त जनार्दन रेड्डी से बातचीत के अनुभव साझा करते हुए हैदराबाद नगर निगम की ऑनलाइन कार्यप्रणाली की तारीफ की। उन्होंने बताया कि हैदराबाद से रोजाना निकलने वाले करीब 5 हजार टन कचरे से कम्पोज व आरडीएफ बनाने के बाद सीमेंट फैक्ट्रियों को बेचा जा रहा है। सीवरेज का गंदा पानी रिचार्ज करके उपचारित किया जाता है, जिसका उपयोग प्लांटेशन में हो रहा है। इस विजिट में जयपुर, अजमेर व भरतपुर के महापौर व उप महापौर भी शामिल थे।शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए मॉनिटरिंग सिस्टम मजबूत है। निगम के 150 वार्डों में 25 हजार सफाई कर्मचारी हैदराबाद शहर को साफ-सुथरा रखते हैं, जिनमें 21 हजार ठेके के कर्मचारी हैं। घर-घर कचरा संग्रहण के लिए पूरे शहर में 1800 टैक्सियां लगी हुई हैं। सिविक सेंस अच्छा होने से लोग आम सड़कों की बजाय शहर के अधिकांश इलाकों में बने ई-टॉयलेट का ही उपयोग करते हैं।